गोंडवाना विष्वविद्यालय, गड़चिरोली

स्नातकोत्तर भाग II

हिन्दी

प्रष्नपत्र I

प्राचीन एंव मध्यकालीन काव्य

तृतीयसत्र्

समय : 3 घंटे अंक 80+20

पाठयविषय : इस प्रश्न पत्र में व्याख्या एवं विवेचन के लिए निम्नांकित चार कवियों का अध्ययन किया जायेगा।

खण्ड 'क' : 1. कबीर : संपादक डॉ. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

(25 पद)

खण्ड 'ख' : 2. सूरदास : 'भ्रमरगीतसार' संपादक रामचंद्र शुक्ल

(गोपिका – उघ्दव संवाद)

खण्ड 'ग' : 3. भूषण : 'भूषण ग्रंथावली' डॉ विजयपाल सिंह

(श्री शिवा बावनी छप्पय[2] 1, कवित्त मनहरण 2 से 20 तक)

4. बिहारी : सतसई

(भक्तिपरक दोहे)

(1,2,3,4,5,6,7,8,9,10,13,14,15,18,21,24,26,37,43,47,)

रवण्ड 'घ' : **द्रुतपाठ** : वाचन हेतू निम्नांकित निर्धारित कवियों का संक्षिप्त जीवन परिचय, उनके रचनाकार उनके काव्य का वैशिष्टय उनकी रचनाओं का नामोल्लेख, रचनाओं का लेखन एवं प्रकाशन काल, इत्यादि का अध्ययन अपेक्षित है।

1. रसखान 2. केशव

3. नामदेव 4. गुरूगोविन्द सिंह

5. शेक्सपियर 6. घनानन्द

सूचनाएँ : –

1. प्रश्न क्रमांक एक के अंतर्गत खण्ड 'क' 'ख' 'ग' में निर्धारित पाठयपुस्तक एवं कविताओं में से व्याख्या हेतु पाँच गद्यांश दिये जाएंगे, जिनमें से किन्ही तीन की व्याख्या अनिवार्य होगी। प्रत्येक व्याख्या हेतु 10 अंक निर्धारित है।

   3 x 10 = 30

2. प्रश्न क्रमांक दो के अंतर्गत खण्ड 'क' 'ख' 'ग' के कवियों एवं कविताओं पर आधारित तीन समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न को लिखना अनिवार्य है

   1 x 10 = 10

3. प्रश्न क्रमांक तीन के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठयक्रम से दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से किन्ही पॉच प्रश्नो के उत्तर अपेक्षित है।

   5 x 4 = 20

4. प्रश्न क्रमांक चार के अंतर्गत पाँच अति लघूत्तरी प्रश्न संपूर्ण पाठयक्रम से पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु दो अंक निर्धारित है

   5 x 2=10

5. प्रश्न क्रमांक पाँच के अंतर्गत दस वस्तूनिष्ठ प्रश्न पूछे जांएगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतू एक अंक निर्धारित है प्रश्न संपूर्ण पाठयक्रम से पूछे जांएगे।

   1 x 10 = 10

6. अंतर्गत मूल्यांकन 20

   उपस्थिती **05**

   वर्तन 05

   परिसंवाद / परिचर्चा 05

   गृहकार्य 05

संदर्भ ग्रंथ

1.	कबीर की विचारधारा	डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
2.	कबीर : साहित्य और साधना	सं. वासुदेव सिंहु
3.	कबीर का रहस्यवाद	डॉ. रामकुमार वर्मा
4.	कबीर	डॉ. विजयेंद्र स्नातक
5.	कबीर का सच	सं. सोलजी
6.	जायसी : एक नई दृष्टि	डॉ. रघुवंश
7.	महाकवि जायसी और उनका काल	डॉ. इकबाल अहमद
8.	जायसी का पद्मावत काव्य दर्शन	डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
9.	जायसी	डॉ. विजयदेव नारायण साही
10.	महाकवि सूरदास	आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
11.	सूर साहित्य	आचार्य हजारीप्रसाद व्दिवेदी
12.	सूर संदर्भ और दृष्टि	सं. डॉ. केशवप्रसाद सिंह, डॉ. वासुदेव सिंह
13.	भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य	मैनेजर पांडेय
14.	गोस्वामी तुलसीदास	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
15.	लोकवादी तुलसीदास	विश्वनाथ त्रिपाठी
16.	तुलसीदास और उनका युग	डॉ. राजपति दीक्षित

17.	तुलसी दर्शन मीमांसा	डॉ. राजपति दीक्षित
18.	तुलसी : आधुनिक वातायन से	डॉ. उदयभानु सिंह
19.	धनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा	डॉ. मनोहरलाल गौड
20.	घनानंद	डॉ. कृष्णलाल शर्मा
21.	सनेह को मारग	इगरै नंधा
22.	बिहारी का काव्य लालित्य	रामशंकर त्रिपाठी
23.	मुक्त काव्य परंपरा और बिहारी	डॉ. रामसागर त्रिपाठी
23.	शब्द निर्गुण संत काव्य दर्शन और भक्ति	डॉ. जीवन सिंह डॉ. कृष्णा रैना

गोंडवाना विष्वविद्यालय, गड़चिरोली

स्नातकोत्तर भाग II

हिन्दी

प्रष्नपत्र II

विषयः– आधुनिक गद्य साहित्य

तृतीयसत्र्

समय : 3 घंटे अंक 80+20

पाठयविषय :

रवण्ड 'क ' : नाटक :– अन्धायुग – धर्मवीर भारती

खण्ड 'ख' : उपन्यास :– आँगन में एक वृक्ष – दुष्यंतकुमार

खण्ड 'ग' : पाठयपुस्तक 'साहित्य–किरण'

1) हत्या और आत्महत्या के बीच :– शिवप्रसाद सिंह
2) जिंदगी और गुलाब के फूल :– उषा प्रियवंदा
3) छोटे–छोटे राजा :– रमेश बक्षी
4) धाँसू :– गोविंद मिश्र
5) छब्बीस जनवरी :– (निबंध) :– आचार्य हजारी, प्रसाद व्दिवेदी
6) सीमावर्ती चोर :– गुलाबराय (व्यंग निबंध)
7) समय के पाँव :– माखनलाल चतुर्वेदी (आत्मपरक निबंध)
8) लछमा :– महादेवी

रवण्ड 'घ' : **अनुसंधान का स्वरूप**

1) अनुसंधान का अर्थ, परिभाषा
2) अनुसंधान के प्रकार
3) अनुसंधान का उद्देश्य
4) अनुसंधान का महत्व

सूचनाएँ : –

1. प्रश्न क्रमांक एक के अंतर्गत खण्ड 'क' 'ख' 'ग' में निर्धारित पाठयपूस्तक एवं कहानी, रेखाचित्र, संस्करण, निबंध में से व्याख्या हेतु पाँच गद्यांश दिये जाएंगे जिनमे से किन्ही तीन की व्याख्या अनिवार्य होगी। प्रत्येक व्याख्या हेतु 10 अंक निर्धारित है।

   3 x 10 = 30

2. प्रश्न क्रंमाक दो के अंतर्गत खण्ड 'क' 'ख' 'ग' के गद्य साहित्य पर आधारित तीन समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न को लिखना अनिवार्य है

   1 x 10 = 10

3. प्रश्न क्रंमाक तीन के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठयक्रम से दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से किन्ही पॉच प्रश्नो के उत्तर अपेक्षित है।

   5 x 4 = 20

4. प्रश्न क्रमाक चार के अंतर्गत पाँच अति लघुत्तरी प्रश्न खंण्ड 'घ' से पूछे जाएंगे सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु दो अंक निर्धारित है

   5 x 2=10

5. प्रश्न क्रंमाक पाँच के अंतर्गत संपूर्ण पाठ्यक्रम दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जांएगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु एक अंक निर्धारित है प्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जांएगे।

   10 x 1=10

6. अंतर्गत मूल्यांकन 20

   उपस्थिती 05

   वर्तन 05

   परिसंवाद / परिचर्चा 05

   गृहकार्य 05

संदर्भ ग्रंथ

1	हिन्दी साहित्य का इतिहास	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2	हिन्दी का गद्य साहित्य	रामचंद्र तिवारी
3	हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास	डॉ. दशरथ ओझा
4	मोहन राकेश और उनके नाटक	गि. श. रस्तोगी
5	हिन्दी उपन्यास : स्थिति और गति	चंद्रकांत बांदिवडेकर
6	हिन्दी उपन्यास : एकअंतयात्रा	रामदरश मिश्र
7	प्रेमचंद और उनका युग	रामविलास शर्मा
8	प्रेमचंद : अध्ययन की नई दिशाएँ	कमलकिशोर गोयनका
9	आद्य बिंब और गोदान	कृष्णामुरारी मिश्र
10	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी व्यकित्व एवं साहित्य	सं. गणपतिचंद्र गुप्त
11	हिन्दी कहानी : सौ वर्ष	वेदप्रकाश अमिताभ
12	हिन्दी कहानी – समकालीन परिदृश्य	स. सुखबीर
13	हिन्दी कहानी : पहचान और परख	इद्रनाथ मदान
14	कहानी नई कहानी	नामवर सिंह
15	नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति	देवीशकंर अवस्थी
16	समकालीन कहानी युगबोद्य का संदर्भ	पुष्पपाल सिंह
17	नया साहित्य नए प्रश्न	आचार्य नंददुलारे वाजपेयी

गोंडवाना विष्वविद्यालय, गड़चिरोली

स्नातकोत्तर भाग II

हिन्दी

प्रष्नपत्र III

विषय :– विषेष अध्ययन (मुंषी प्रेमचंद)

तृतीयसत्र्

समय : 3 घंटे **अंक :** 80+20

इस प्रश्नपत्र में व्याख्या एवं विवेचना के लिए मुंशी प्रेमचंदजी के 3 उपन्यास एवं द्रुतवाचन के अंतर्गत पॉच उपन्यासों का समावेश है :–

खण्ड क :	गोदान	– प्रेमचंद
खण्ड ख :	कर्मभूमि	– प्रेमचंद
खण्ड ग :	निर्मला	– प्रेमचंद

खण्ड घ : द्रुतपाठ हेतु निम्नांकित उपन्यासकारों का संक्षिप्त जीवन – परिचय, विशेषताएँ, रचनाओं का लेखन एवं प्रकाशन काल का अध्ययन अपेक्षित है। इन पर लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे।

फणीश्वरनाथ रेणु, कृष्णा सोबती, उषा प्रियंवदा, इलाचन्द्र जोशी, जयशंकर प्रसाद।

सूचनाएँ :–

1. प्रश्न क्रमांक एक के अंतर्गत खण्ड 'क', 'ख', 'ग' से निर्धारित उपन्यासों में से व्याख्या हेतु पाँच गद्यांश दिए जाएँगे जिनमें से तीन की व्याख्या अनिवार्य होगी। प्रत्येक व्याख्या हेतु दस अंक निर्धारित है।

3X10=30

2. प्रश्न कमांक दो के अंतर्गत खण्ड 'क' में से अंतर्गत विकल्प के साथ समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है।

1 x10=10

3. प्रश्न कमांक तीन के अंतर्गत खण्ड 'ख' में से अंतर्गत विकल्प के साथ समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है।

1 x10=10

4. प्रश्न कमांक चार के अंतर्गत खण्ड 'ग' में से अंतर्गत विकल्प के साथ समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है।

1 x10=10

5. प्रश्न कमांक चार के अंतर्गत दो समूह होंगे :–

अ) के अंतर्गत खण्ड 'घ' में से पाँच अतिलघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे सभी के उत्तर लिखना अनिवार्य है।

5 x 2 =10

ब) के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठयकम से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे सभी के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न हेतु एक अंक निर्धारित है।

10X1=10

6) अंतर्गत मुल्यांकन	:–	20
उपस्थिति	:–	05
वर्तन	:–	05
परिसंवाद / परिचर्चा	:–	05
गृहकार्य	:–	05

संदर्भ ग्रंथ

1.	प्रेमचंद आज के संदर्भ में	गंगाप्रसाद विमल
2.	प्रेमचंद और उनका युग	रामविलास शर्मा
3.	प्रेमचंद की उपन्यास यात्रा	शैलेश जैदी
4.	प्रेमचंद : एक अध्ययन	राजेश्वर गुरू
5.	प्रेमचंद अघ्ययन की नई दिशाएँ	कमलकिशोर गोयनका
6.	प्रेमचंद्र के उपन्यासों का शिल्प विधान	कमलकिशोर गोयनका
7.	प्रेमचंद – जीवन और कृतित्व	हंसराज रहबर
8.	प्रेमचंद की विरासत	राजेन्द्र यादव
9.	प्रेमचंद विरासत का सवाल	शिवकुमार मिश्र
10.	प्रेमचंद के आयाम	ए अरविंदाक्षन
11.	गोदान नया परिप्रेक्ष्य	गोपाल राय
12.	उपन्यासकार प्रेमचंद	सं. सुरेशचंद्र गुप्त, रमेशचन्द्र गुप्त
13.	समस्यामूलक उपन्यासकार प्रेमचंद	महेंद्र भटनागर
14	आद्य बिंब और गोदान	कृष्ण मुरारी मिश्र

गोंडवाना विष्वविद्यालय, गड़चिरोली

स्नातकोत्तर भाग II

हिन्दी

प्रष्नपत्र IV

समय : 3 घंटे **अंक : 80+20**

भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

तृतीयसत्र्

खण्ड 'क'

- भाषा और भाषा विज्ञान :
- भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा–व्यवस्था एवं भाषा व्यवहार, भाषा – संरचना एवं भाषिक – प्रकार्य।
- भाषा विज्ञान – स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ – वर्णनात्मक ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

खण्ड 'ख'

- स्वनप्रक्रिया :
- स्वनविज्ञान का स्वरूप एवं शाखाएँ वागवयव एवं उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण स्वनगुणस्वनिक परिवर्तन।
- स्वनिम विज्ञान का स्वरूप
- स्वनिम की अवधारणा,
- स्वनिम के भेद
- स्वनिमिक विश्लेषण

खण्ड 'ग'

- व्याकरण
- रूपप्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा एवं भेद :–
  मुक्त – आबध्द
  अर्थदर्शी और संबध दर्शी
  सबंधदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य।
- वाक्य की अवधारणा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ अवयव विश्लेषण, गहन–संरचना और बाहय संरचना।

- **अर्थविज्ञान**
- अर्थ की अवधारणा,
  शब्द और अर्थ का सम्बन्ध
  पर्यायता
  विलोमता
  अर्थ–परिवर्तन

- **साहित्य और भाषा विज्ञान**
- साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अगों की उपयोगिता। हिन्दी भाषा शिक्षण तथा शैली विज्ञान के विशेष सन्दर्भ में।

सूचनाएँ

1. प्रश्न क्रमांक एक रवण्ड 'क' से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से किसी एक प्रश्न का

उत्तर लिखना अनिवार्य होगा। प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित है। 15

2. प्रश्न क्रमांक दो रवण्ड 'ख' से दो प्रश्न पूछे जांएगें। जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगा। प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित है। 15

3. प्रश्न क्रमांक तीन रवण्ड'ग' से दो प्रश्न पूछे जांएगे। जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। 15

4. प्रश्न क्रमांक चार में संपूर्ण पाठयक्रम से दस प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमे से पाँच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। 5x3=15

5. प्रश्न क्रमांक पॉच 'अ' तथा 'ब' दो भागो मे विभक्त किया गया है।

अ) 'अ' विभाग में संपूर्ण पाठयक्रम से पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जांएगे , प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित है 5x2=10

ब) 'ब' विभाग में संपूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाऐंगे , प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है।

6. अंतर्गत मूल्यांकन – 1x10=10

उपस्थिति	05
वर्तन	05
परिसंवाद / परिचर्चा /	05
गृहकार्य	05

संदर्भ ग्रंथ

1	हिन्दी साहित्य का इतिहास	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2	हिन्दी का गद्य साहित्य	रामचंद्र तिवारी
3	हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास	डॉ. दशरथ ओझा
4	मोहन राकेश और उनके नाटक	गि. श. रस्तोगी
5	हिन्दी उपन्यास : स्थिति और गति	चंद्रकांत बांदिवडेकर
6	हिन्दी उपन्यास : एकअंतयात्रा	रामदरश मिश्र

7	प्रेमचंद और उनका युग	रामविलास शर्मा
8	प्रेमचंद : अध्ययन की नई दिशाएँ	कमलकिशोर गोयनका
9	आद्य बिंब और गोदान	कृष्णामुरारी मिश्र
10	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी व्यकित्व एवं साहित्य	सं. गणपतिचंद्र गुप्त
11	हिन्दी कहानी : सौ वर्ष	वेदप्रकाश अमिताभ
12	हिन्दी कहानी – समकालीन परिदृश्य	स. सुखबीर
13	हिन्दी कहानी : पहचान और परख	इद्रनाथ मदान
14	कहानी नई कहानी	नामवर सिंह
15	नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति	देवीशकंर अवस्थी
16	समकालीन कहानी युगबोद्य का संदर्भ	पुष्पपाल सिंह
17	नया साहित्य नए प्रश्न	आचार्य नंददुलारे वाजपेयी